आज उत्तर प्रदेश की पहचान एक्सप्रेस प्रदेश के रूप में सशक्त हो रही है। यूपी में कनेक्टिविटी के हजारों करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम चल रहा है। आज पूर्वांचल हो, बुन्देलखण्ड हो, पश्चिमी उत्तर प्रदेश हो, हर कोने को एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जा रहा है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश - एक्सप्रेसवे प्रदेश

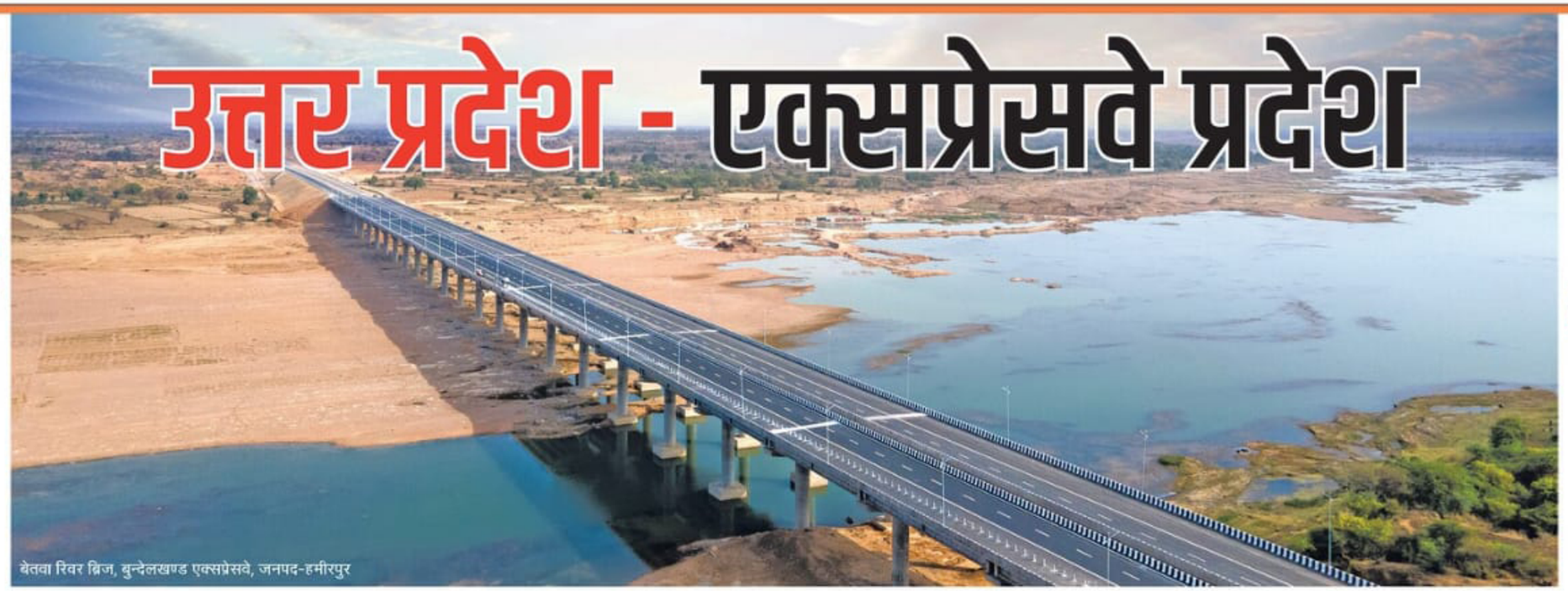

बेतवा रिवर ब्रिज, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, जनपद-हमीरपुर

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में मील के पत्थर साबित होंगे। लंबे समय से उत्तर प्रदेश को जिस आर्थिक विकास की तमन्ना थी, उसे आगे बढ़ाने में यह एक्सप्रेस-वे मददगार साबित होंगे। आज दुनिया में निवेश को लेकर नई प्रतिस्पर्धा शुरू हुई है। इस प्रतिस्पर्धा में कनेक्टिविटी और सिक्योरिटी का अपना एक महत्व है।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

नेक्स्ट जनरेशन इंफ्रास्ट्रक्चर अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन होता है और सड़कें तरक्की का आईना। डबल इंजन की सरकार ने सड़कों के कायाकल्प को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किया है। एनसीआर, पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों की दशकों पुरानी मांग को योगी सरकार 1.0 ने पूरा किया है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे न केवल क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक उन्नति के नये द्वार खोलेगा बल्कि राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली से बुन्देलखण्ड क्षेत्र की कम समय में सीधी कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित करेगा। ये गलियारे तीव्र संतुलित और समावेशी विकास के साथ-साथ रोजगार की अपार संभावनाओं को गति देंगे। आपातकाल में वायु सेना के विमानों की लैंडिंग और टेक ऑफ के लिए हवाई पट्टियां भी बनाई गई हैं। 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा चुका है और निर्माण प्रक्रिया तीव्रता से गतिमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में पिछले पांच वर्षों में आमूलचूल परिवर्तन किया गया है, यह उनकी ही प्रेरणा से संभव हो सका।

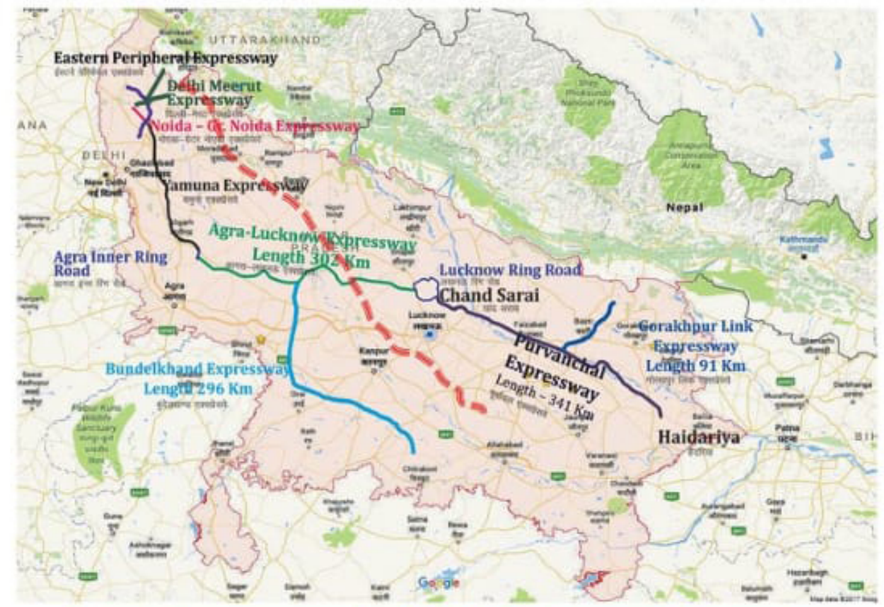

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे

तरक्की के राजपथ से विकास की उड़ान

तरक्की का राजमार्ग

रमेश वर्मा

उत्तर प्रदेश में विश्व स्तरीय एक्सप्रेसवेज के माध्यम से कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा रही है। इनसे आच्छादित क्षेत्रों के सामाजिक व आर्थिक विकास के साथ ही कृषि, वाणिज्य, पर्यटन एवं उद्योगों की आय में वृद्धि होगी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेसवे और बलिया लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं से आच्छादित जनपदों की विभिन्न उत्पादन इकाइयां, विकास केन्द्र और कृषि उत्पादन क्षेत्र सीधे देश व प्रदेश की राजधानी से जोड़ने के लिए यह एक्सप्रेस-वे एक औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में निश्चित ही सहायक होंगे।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनपद चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर व जालौन जैसे जिलों के सर्वांगीण विकास हेतु बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा कराया गया है। यह एक्सप्रेसवे बुन्देलखण्ड क्षेत्र को देश की राजधानी दिल्ली से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे एवं यमुना एक्सप्रेसवे के माध्यम से जोड़ेगा और बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह एक्सप्रेसवे झांसी-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-35 महाकुंभ के पास जनपद चित्रकूट से प्रारम्भ होकर ग्राम कुदरौल के पास जनपद इटावा में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से लिंक किया गया है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे की लम्बाई 296 किमी है। इस परियोजना से जनपद चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया एवं इटावा लाभान्वित हो रहे हैं। डिफेंस कॉरिडोर व मध्यप्रदेश सीमा नजदीक होने के कारण सबसे ज्यादा ट्रैफिक इसी एक्सप्रेसवे से दिल्ली पहुंचेगा।

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के रास्ते में पड़ने वाली बेतवा व यमुना नदियों पर सेतुओं का निर्माण मेट्रो परियोजनाओं में प्रयोग की जाने वाली तकनीक से कराया गया है। यमुना नदी पर जालौन व औरैया के बीच दो सेतु का निर्माण कराया गया है। बेतवा नदी पर हमीरपुर व जालौन के बीच 840 मीटर लम्बा सेतु बनाया गया है। एक्सप्रेसवे फोर लेन का है, लेकिन पुल का स्ट्रक्चर सिक्स लेन का बनाया गया है ताकि भविष्य में एक्सप्रेसवे को सिक्स लेन तक बनाने में कोई बाधा न आए।

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, जनपद-जालौन

लम्बाई
296 किलोमीटर

एक नजर

- 4 लेन चौड़ा (6 लेन में विस्तारित)
- एक्सप्रेसवे के एक ओर 3.75 मीटर चौड़ाई की सर्विस रोड का निर्माण
- परियोजना के आस-पास के गांव के निवासियों को एक्सप्रेसवे पर सुगम आवागमन की सुविधा
- एक्सप्रेसवे पर 4 रेलवे ब्रिज, 14 दीर्घ सेतु, 6 टोल प्लाजा, 7 रैम्प प्लाजा, 286 लघु सेतु, 19 फ्लाई ओवर तथा 224 अण्डरपास का निर्माण

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे

पूर्वांचल की लाइफलाइन

उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने सुलतानपुर, अम्बेडकर नगर, अमेठी और अयोध्या के अलावा जनपदों आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर को देश की राजधानी नई दिल्ली और प्रदेश की राजधानी लखनऊ से जोड़ने के लिये पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया है। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित कुल लागत 22,495 करोड़ रुपये है, इसका निर्माण पूर्ण हो चुका है।

- 6-लेन का प्रवेश-नियंत्रित पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे 8 लेन तक विस्तारणीय। संरचनाएं 8 लेन चौड़ी निर्मित।

लम्बाई
341 किलोमीटर

- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जनपद लखनऊ में सुलतानपुर-लखनऊ रोड पर स्थित ग्राम चंदिसरराय से प्रारम्भ होकर पूर्वी-बिहार रोड से 18 किमी. पूर्व एनएच-31 पर स्थित ग्राम हैदरिया जनपद गाजीपुर पर समाप्त।
- लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुलतानपुर, अम्बेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ तथा गाजीपुर जनपद लाभान्वित।
- 18 फ्लाईओवर, 7 रेलवे ओवर ब्रिज, 7 दीर्घ सेतु, 118 लघु सेतु, 13 इन्टरचेन्ज (6 टोल प्लाजा सहित), 5 रैम्प प्लाजा, 271 अन्डरपास तथा 503 पुलियों का निर्माण।
- सुलतानपुर में 3.2 किमी. लम्बी हवाईपट्टी का निर्माण।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर बाईपास एनएच-27 ग्राम-जैतपुर के पास से प्रारम्भ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर जनपद आजमगढ़ में समाप्त होगा। इस परियोजना की कुल लागत 5,876.68 करोड़ रुपये है। वर्ष 2023 में इस परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य है। यह एक्सप्रेसवे गोरखपुर के आसपास के प्रमुख निर्यात केन्द्रों को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माध्यम से देश और प्रदेश की राजधानी दिल्ली और लखनऊ को जोड़ेगा।

- 4-लेन (6 लेन तक विस्तार) का प्रवेश-नियंत्रित।
- गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ लाभान्वित होंगे।
- 2 टोल प्लाजा, 3 रैम्प प्लाजा, 7 फ्लाई ओवर, 16 वेहिकुलर अण्डरपास, 50 लाइट वेहिकुलर अण्डरपास, 35 पेडेस्ट्रियन अण्डरपास, 7 दीर्घ सेतु, 27 लघु सेतु तथा 389 पुलियों का निर्माण।
- न्यूनतम निविदा अनुमानित लागत से 3.12 प्रतिशत कम होने से लगभग 98 करोड़ रुपये का लाभ।

लम्बाई
91 किलोमीटर

औद्योगिक विकास एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि | यात्रा समयावधि में कमी | कृषि और किसान कल्याण के अवसरों में वृद्धि | सड़क सुरक्षा एवं वाहनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि

पर्यटन व इससे जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा | आच्छादित क्षेत्रों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास | राज्य के हर क्षेत्र की दिल्ली तक सुगम कनेक्टिविटी | ईंधन खपत में बचत एवं प्रदूषण नियंत्रण संभव

उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे नेटवर्क

संचालित एक्सप्रेसवे

- यमुना एक्सप्रेसवे-165 किमी
- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे-296 किमी
- नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे-25 किमी
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे-302 किमी
- दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे-96 किमी
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे-341 किमी

कुल संचालित एक्सप्रेसवे-1225 किमी

निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे

- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे-91 किमी
- गंगा-एक्सप्रेसवे-594 किमी
- लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे-63 किमी
- गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेसवे-380 किमी
- गोरखपुर-सिलिगुड़ी एक्सप्रेसवे-519 किमी
- दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे-210 किमी
- गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेसवे-117 किमी

कुल निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे-1974 किमी

तीर्थराज प्रयाग से जुड़ेगी औद्योगिक नगरी मेरठ

गंगा एक्सप्रेसवे : प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

रमेश वर्मा

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे के जरिए चहुंमुखी तरक्की की लंबी उड़ान भर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के सबसे लम्बे गंगा एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखकर एक्सप्रेस प्रदेश उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास को नया आयाम दिया है। करीब 36230 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से शुरू होकर हापुड़, बुलन्दशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ से गुजरते हुए प्रयागराज में समाप्त होगा। गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी एक्सप्रेसवे परियोजना है। इससे आच्छादित 12 जनपदों के लिए प्रदेश की राजधानी तथा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे एवं यमुना एक्सप्रेसवे के माध्यम से देश की राजधानी तक त्वरित गति की सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध होगी।

हाल ही में इस परियोजना को फॉरेस्ट क्लियरेन्स संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

लम्बाई
594 किलोमीटर

आच्छादित तहसीलें
30 तहसील होंगी आच्छादित

आच्छादित ग्राम
529 ग्राम होंगे आच्छादित

हिन्दुस्तान मीडिया मार्केटिंग इनीशिएटिव